

आपदा प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचाई जा रही मदद

टीम एक्शन इंडिया/ मंडी/
खेमचंद शास्त्री

कर्साना उपमण्डल प्रशासन प्राकृतिक आपदा के नुकसान को कम करने के लिए दिन रात कार्य कर रहा है। प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर प्रशासनिक व आपदा राहत दीमें लोगों की हर संभव मदद कर रही है।

एसडीएम कर्साना कपिल तोमर ने स्वयं आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत व बचाव संबंधी कार्यों का मोर्चा संभाला हुआ है। पहाड़ों से जमीन धसने व अन्य प्रकार की आपदा तांडा लोगों के जान माल के नुकसान को कम किया जा सके।

20 परिवारों को किया दूसरी जारी शिफ्ट पांगांग के कलाशन, केनरी-माहोग व कांडी-सपोनो पंचायतों में जमीन धंसने व घरों में दरारे आने की सूचना मिलने



पर एसडीएम कर्साना कपिल तोमर ने मीके पर पहुंच प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर विस्तृत का जायाजा लिया। उन्होंने संभावित खाते को देखते हुए क्षेत्र के लगभग 20 परिवारों के घरों को खाली करवा दूसरी सुरक्षित जगह पर शिफ्ट किया है। शिफ्ट किए गए परिवारों में से 2 परिवारों को पास के केपल आश्रम ठांडापानी में, जबकि दो परिवारों की रहने की व्यवस्था पाठशाला खीले के भवन को भी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा

की गई है। जिनके खाने व ठहरने की व्यवस्था प्रशासन की ओर से की गई है। एसडीएम ने बताया कि क्षेत्र में बरसात के कारण कर्साना की संपत्ति का नुकसान हुआ है। क्षेत्र में बरसात के कारण लगभग 69 घरों का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों की हर संभव मदद की जा रही है। खील स्कूल भी किया शिफ्ट एसडीएम ने कहा कि बरसात के कारण राजांग वारियर वास्तविक पाठशाला खीले के भवन को भी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा

कि स्कूल को भी दूसरी सुरक्षित जगह शिफ्ट किया जा रहा है। जिसके निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा के दृष्टिकोण से दूसरी स्कूल को बदल दिया गया है। बादल फटने की घटना से एक महिला की असामायिक दुखद मृत्यु भी हुई है। 55 लाख की राहत राशि आवारित एसडीएम ने कहा कि क्षेत्र के प्रभावित लोगों को जारी हर संभव राशि प्रदान कर उनके जीवन को प्राथमिकता प्रदान की जा रही है। जिसके अन्तर्गत गत पांच दिनों में कर्साना उपमण्डल में प्रभावित परिवारों को लगभग 55 लाख रुपये से अधिक की राहत राशि आवारित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों को लगभग 42 तिरपाल भी वितरित किए गए हैं।

सादगी से मनाया विधायक नीरज नैयर का जन्मदिन

टीम एक्शन इंडिया/ चंबा/ हामिद वीरवार को चम्बा सदर विधायक नीरज नैयर के जन्मदिन पर कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों व

कांवड़नांदा ने बिलकूल साधारण तरीके से मनाया। इस दौरान समस्त कांग्रेस पार्टी के कांवड़नांदा ने कुछ निवापण अस्पताल सरैल व क्षय रोग अस्पताल चम्बा में जाकर रोगियों के बीच व उनको कम्बल, फल व मिठायां बाटेंकर पिय विधायक के लिए को दीर्घ आयु की कामना की। इसमें घर परी तरह से जमीदाज हो गए हैं। जबकि 40 घरों की आशिक नुकसान पहुंचा है। क्षेत्र में 32 घरों का नुकसान हुआ है और 17 पुरुषों का नुकसान हुआ है। एक दूकान भी शत्रुप्रसाद हुई है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की दो दर्जन से अधिक सड़के अभी बंद हैं। जिन्हें बहाल करने में



सदस्य जितेंद्र मैहरा, अल्पसंख्यक कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष लियाकत अली, महासचिव कपिल भूषण, महासचिव आम प्रकाश, ब्लाक महासचिव भानु प्रताप सिंह, ब्लाक महासचिव भानु प्रताप शूण्य, सचिव कमल सिंह भारद्वाज, सचिव विजय कटोच, सचिव सुमील शर्मा, सहित आदि मौजूद रहे।

सौर ऊर्जा विभाग ने मुख्यमंत्री के आदेशों पर 24 घंटे में की कार्यवाही

टीम एक्शन इंडिया/ मंडी/ खेमचंद शास्त्री

सौर ऊर्जा विभाग ने मुख्यमंत्री के आदेशों पर त्वरित अमल करते हुए 24 घंटे के भीतर जिला मंडी के सरकारीथान उपमण्डल के भूखलन प्रभावित गांवों में 20 सोलर लाइट्स स्थापित की है। धर्मपुर उपमण्डल के भूखलन प्रभावित गांवों में भूखलन प्रभावित गांवों में कई जगहों पर परिवारों में कई जगहों पर जिला आवासी के कारण राजांग वारियर अवधिकारी ने सोलर लाइट्स स्थापित की है।

के निर्देश दिए थे ताकि बिजली बहाल होने तक लोगों को सुविधा प्रदान की जाए। सरकारीथान उपमण्डल के जुकैन, टटीन, भूखलन, भराडा, सुरजुगरारी, गैहरा, पींगला, सड़वाल, पटीघाट, जबाली, गुम्ह, व कलाखर आदि स्थानों पर सोलर लाइट्स स्थापित की गई है।

सोलर लाइट्स लगाने के लिए गैहरा के लोगों ने मुख्यमंत्री सुखिविंदर सिंह सुखबू के मिलकर उनका धन्यवाद किया। मुख्यमंत्री भूखलन प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लगाने के लिए गैहरा पहुंचे थे। उपायकर अंदिम चौधरी ने जिला विभाग ने सुखिविंदर के लिए गैहरा पहुंचे थे। उपायकर अंदिम चौधरी ने जिला विभाग ने सुखबू के मिलकर उनका धन्यवाद किया।

लाल अंगूर खाने से दिल की बिमारियाँ कम होती हैं

स्पेशिश वैज्ञानिकों ने दाढ़ा किया है कि लाल अंगूर खाने में बढ़काप कम होती है, कोलेस्ट्रोल घटता है और दिल की बिमारियाँ कम होती हैं।

मेडिकुल विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने अपनी जांच में पाया कि लाल अंगूर के छिलके और अंदर के गुण में मौजूद फाइबर से तथा एंडोक्रिनिक से दिल की बिमारियाँ कम हो सकती हैं।

वैज्ञानिकों ने कुछ स्वयंसेवकों के उपर इसका सीधा का परीक्षण किया। इस परीक्षण से पता चला कि इन स्वयंसेवकों के शरीर में भौजूद कोलेस्ट्रोल 14 प्रतिशत तक कम हो गया।

इन वैज्ञानिकों का कहना है कि हमें दिन में कम से कम 30 ग्राम लाल अंगूर खाना चाहिए। वह स्वास्थ्य वर्धक है और दिल की बिमारियों को होने से रोकता है।



गर्भवस्था के दौरान होने वाली तकलीफें

गर्भवस्था के दौरान महिलाएं विभिन्न भारीरिक तथा मार्गसिक समस्याओं से झुकती हैं। इन दूर करने के लिए विभिन्न कॉम्प्लीमेंट्स की समाव्यवस्था की समाव्यवस्था से तीन चरणों में बढ़ता जा सकता है। चरण 1 से 12 सप्ताह का, दूसरा चरण 13 से 28 सप्ताह का तथा तीसरा चरण 29 से 40 सप्ताह का।

प्रथम चरण में होने वाली तकलीफें

● उक्तिकार्य आना, चबाहारट होना, चाने में अल्पतरी तथा उरियाँ होना।

● गर्भवस्था के दूसरे चरण में होने वाली तकलीफें

● डकारे आना, चबाहारट होना चापु तथा एंटीड्रेटी बनना।

● गर्भवस्था के दूसरे चरण के लिए अन्तर के कारण कुछ नोड व लातु फैले होते हैं, इसके कारण कर्म रद्द, पैर दीचाना, चलने में तथा उक्तल बदलने में तकलीफ होना।

● सर्वार्द तथा कॉक होना तथा मस्ते से खून खिलना।

● नींद न आना, चिलारों का उभड़ना, चिरचिलापन, शूद बदलना, यादावारन के गुणोंर होना।

● दूसरों से निकलना द्विल निकलना तथा स्तन भारी होना तथा उक्तल करणा।

● शूद, थोन तथा बाल में संक्रमण लगना।

गर्भवस्था के तीसरे चरण में होने वाली तकलीफें

● नींद न आना। इसके कारणों में गर्भवतीय का बढ़ना, उक्तल, उक्तिकार्य, प्रशुद सर्वार्दी विकास होती है।

● चमड़ी व सर्वार्दी तकलीफें होना, गर्भवतीय के बढ़ने से चमड़ी व साथु रुचिसे हैं जिससे पेट व स्तन पर खारियाँ बन जाती हैं।

● शूद का बालव बढ़ना, पैरों में शूदन आना, पेशाव में प्रोटोन आना वारों से समस्याजनक हो सकते हैं।

● थोनिंग से द्विल गिरना। यह दुर्बलियुक्त हो तो संक्रमण को बढ़ाता है, आग प्रवाही पतला पेशाव जैसा हो तो वह गर्भजन भी हो सकता है। चिकित्सक को उक्तल।

● बालव असामान्य अवस्था में रुक्त होना। 36 - 37 सप्ताह तक बालव डलता नहीं होता है तथा टेही मेही अवस्था में रुक्त होता है तो साथ-चिकित्सा द्वारा प्रसृति करवानी पड़ती है।

● भोजन से एकदम पहले और एकदम बाद पानी न पीएं।

गर्भवस्था के दूसरे चरण में होने वाली तकलीफें

● डकारे आना, चबाहारट होना चापु तथा एंटीड्रेटी बनना।

● गर्भवतीय के दूसरे चरण में होने वाली अवस्था को बढ़ना, उक्तल, उक्तिकार्य, प्रशुद सर्वार्दी विकास होती है।

● चमड़ी व सर्वार्दी तकलीफें होना, गर्भवतीय के बढ़ने से चमड़ी व साथु रुचिसे हैं जिससे पेट व स्तन पर खारियाँ बन जाती हैं।

● शूद का बालव बढ़ना, पैरों में शूदन आना, पेशाव में प्रोटोन आना वारों से समस्याजनक हो सकते हैं।

● थोनिंग से द्विल गिरना। यह दुर्बलियुक्त हो तो संक्रमण को बढ़ाता है, आग प्रवाही पतला पेशाव जैसा हो तो वह गर्भजन भी हो सकता है। चिकित्सक को उक्तल।

● बालव असामान्य अवस्था में रुक्त होना। 36 - 37 सप्ताह तक बालव डलता नहीं होता है तथा टेही मेही अवस्था में रुक्त होता है तो साथ-चिकित्सा द्वारा प्रसृति करवानी पड़ती है।

● भोजन से एकदम पहले और एकदम बाद पानी न पीएं।

गर्भवस्था के तीसरे चरण में होने वाली तकलीफें

● नींद न आना। इसके कारणों में गर्भवतीय का बढ़ना, उक्तल, उक्तिकार्य, प्रशुद सर्वार्दी विकास होती है।

● चमड़ी व सर्वार्दी तकलीफें होना, गर्भवतीय के बढ़ने से चमड़ी व साथु रुचिसे हैं जिससे पेट व स्तन पर खारियाँ बन जाती हैं।

● शूद का बालव बढ़ना, पैरों में शूदन आना, पेशाव में प्रोटोन आना वारों से समस्याजनक हो सकते हैं।

● थोनिंग से द्विल गिरना। 36 - 37 सप्ताह तक बालव डलता नहीं होता है तथा टेही मेही अवस्था में रुक्त होता है तो साथ-चिकित्सा द्वारा प्रसृति करवानी पड़ती है।

● भोजन से एकदम पहले और एकदम बाद पानी न पीएं।

गर्भवस्था के दूसरे चरण में होने वाली तकलीफें

● डकारे आना, चबाहारट होना चापु तथा एंटीड्रेटी बनना।

● गर्भवतीय के दूसरे चरण के लिए अन्तर के कारण कुछ नोड व लातु फैले होते हैं, इसके कारण कर्म रद्द, पैर दीचाना, चलने में तथा उक्तल बदलने में तकलीफ होना।

● सर्वार्द तथा कॉक होना तथा मस्ते से खून खिलना।

● नींद न आना, चिलारों का उभड़ना, चिरचिलापन, शूद बदलना, यादावारन के गुणोंर होना।

● दूसरों से निकलना द्विल निकलना तथा स्तन भारी होना तथा उक्तल करणा।

● शूद, थोन तथा बाल में संक्रमण लगना।

● थोनिंग से द्विल गिरना। 36 - 37 सप्ताह तक बालव डलता नहीं होता है तथा टेही मेही अवस्था में रुक्त होता है तो साथ-चिकित्सा द्वारा प्रसृति करवानी पड़ती है।

● भोजन से एकदम पहले और एकदम बाद पानी न पीएं।

गर्भवस्था के तीसरे चरण में होने वाली तकलीफें

● डकारे आना, चबाहारट होना चापु तथा एंटीड्रेटी बनना।

● गर्भवतीय के तीसरे चरण के लिए अन्तर के कारण कुछ नोड व लातु फैले होते हैं, इसके कारण कर्म रद्द, पैर दीचाना, चलने में तथा उक्तल बदलने में तकलीफ होना।

● सर्वार्द तथा कॉक होना तथा मस्ते से खून खिलना।

● नींद न आना, चिलारों का उभड़ना, चिरचिलापन, शूद बदलना, यादावारन के गुणोंर होना।

● दूसरों से निकलना द्विल निकलना तथा स्तन भारी होना तथा उक्तल करणा।

● शूद, थोन तथा बाल में संक्रमण लगना।

● थोनिंग से द्विल गिरना। 36 - 37 सप्ताह तक बालव डलता नहीं होता है तथा टेही मेही अवस्था में रुक्त होता है तो साथ-चिकित्सा द्वारा प्रसृति करवानी पड़ती है।

● भोजन से एकदम पहले और एकदम बाद पानी न पीएं।

गर्भवस्था के तीसरे चरण में होने वाली तकलीफें

● डकारे आना, चबाहारट होना चापु तथा एंटीड्रेटी बनना।

● गर्भवतीय के तीसरे चरण के लिए अन्तर के कारण कुछ नोड व लातु फैले होते हैं, इसके कारण कर्म रद्द, पैर दीचाना, चलने में तथा उक्तल बदलने में तकलीफ होना।

● सर्वार्द तथा कॉक होना तथा मस्ते से खून खिलना।

● नींद न आना, चिलारों का उभड़ना, चिरचिलापन, शूद बदलना, यादावारन के गुणोंर होना।

● दूसरों से निकलना द्विल निकलना तथा स्तन भारी होना तथा उक्तल करणा।

● शूद, थोन तथा बाल में संक्रमण लगना।

● थोनिंग से द्विल गिरना। 36 - 37 सप्ताह तक बालव डलता नहीं होता है तथा टेही मेही अवस्था में रुक्त होता है तो साथ-चिकित्सा द्वारा प्रसृति करवानी पड़ती है।

● भोजन से एकदम पहले और एकदम बाद पानी न पीएं।

गर्भवस्था के तीसरे चरण में होने वाली तकलीफें

● डकारे आना, चबाहारट होना चापु तथा एंटीड्रेटी बनना

काशी का लाल बना अडानी ग्रीन एनर्जी का सीईओ

वाराणसी। देश की प्रतिष्ठित अडानी ग्रीन एनर्जी कंपनी के सीईओ पद पर जनपद के अमित सिंह को नियुक्त किया गया है। हालांकि अमित के नाम की घोषणा इनी स्थल में की गई थी, जिसके बाद उन्होंने ग्रीन एनर्जी का ग्रीन पद पर सेवा शुरू कर दी है। अमित सिंह बनाने के सेवाओं के जापानीपुरी गवर्नर नियमिती जितेन्द्र कुमार सिंह के पुरु हैं। 45

वर्षीय अडानी एनर्जी

सिंह के पास तेल

और कृषि क्षेत्र में

22 वर्षों से अधिक

का व्यापक अनुभव

है। साथ ही उन्हें लंबे

समय तक युरोप, मध्य पूर्व, एशिया और अमेरिका सहित कई

भौतिक खेत्रों में काम करना का गहन अनुभव है। अडानी में शामिल होने से पहले अमित लदन में स्थित एसएलबी (जिसे पहले शहरबागर के नाम से जाना जाता था) के रणनीति और विधान, किंजिटल और एकारण प्राप्ति के निदेशक रह चुके हैं। अमित सिंह की इस उपलब्धि पर उनके गांव में हर्ष का माहील है। अमित के पिता जितेन्द्र कुमार सिंह भी सिंचाव विधान में चौप इनीशियर पद से सेवानित रहे हैं। अमित के परिवार में उनके माता-पिता के अलावा उनके गांव से जुड़ा हुआ है। गांव में आयोजित होने वाले परिचालिक समारोह में अमित और उनका परिवार शामिल होते रहते हैं।

गो फर्स्ट एयरलाइन की सभी उड़ानें 18 अगस्त तक कैंसिल

नई दिल्ली : अधिक संकट से जूझ रही एयरलाइन कंपनी गो फर्स्ट ने अब अपनी सभी उड़ानें 18 अगस्त तक रद्द कर दी है। एयरलाइन ने पिछले 3 महीने से लगातार अपनी सभी फ्लाइट्स को कैंसिल कर रखा है। कंपनी ने एक्स पोस्ट पर ट्रॉफी कर बताया कि परिचालन करतांग से

18 अगस्त तक गो

फर्स्ट की सभी उड़ानें

कैंसिल कर दी गई हैं।

गो फर्स्ट के कानून के लिए हम

क्षमा चाहते हैं। अधिक

जानकारी के लिए सभी

ग्राहक http://hor-

turl.at/jlEZ पर जा

सकते हैं। किसी तरह के संशय या सवाल मन में होने पर आप

बेंजिङ कर सकते हैं। इससे संरक्षक कर सकते हैं। इससे पहले जुलाई के अधिकारी

में नारा विनान महानिदेशीलय (डीजीसी) ने दो महीने से बंद पड़ी

गो फर्स्ट एयरलाइन कंपनी 101 विमानों और 114 ईंचिल उड़ानों के संचालन की अनुमति दी थी। साथ ही एयरलाइन से कहा था कि अंतरिम फर्किंग की उपलब्धता और नियमिक से उड़ानों की अनुमति दी थी। साथ ही एयरलाइन से कहा था कि अंतरिम फर्किंग की उपलब्धता और नियमिक से उड़ानों की अनुमति दी थी। साथ ही एयरलाइन में उड़ानों को कैंसिल कर रही है। इससे पहले कंपनी ने 16 अगस्त तक के लिए अपनी सभी उड़ानों को कैंसिल कर दिया था। एयरलाइन के पास करीब 4,200 कर्मचारी हैं।

बार्गर किंग ने भी बंद किया टमाटर का

इस्तेमाल, कंपनी ने बताई यह वजह

नई दिल्ली : टमाटर की आसमान कूटी कीमत ने मैकोन्कल्डम

और सब्जे जैसे खाद्यों को अपने अपने बांध, पिज्जा आदि से टमाटर

हटाने को मजबूर कर दिया। वही अब इस कूटी में एक और जना

माना नाम बनार किंग नामिल हो गया है। पास्ट फूड ब्रूखला वाले

बांध किंग ने अपने खाने के आइटम में टमाटर का उपयोग करना बंद

कर दिया है। देश में बांध किंग के कीरी 400 स्टोर हैं, अपनी

बेंजिङ कर दिया था। एयरलाइन के बहुकार पांच ट्रिलियन

प्रतिवर्ष रुपये हैं। इससे जांचना की अनुमति दी थी। साथ ही एयरलाइन में उड़ानों को कैंसिल कर रही है। इससे पहले कंपनी ने 16 अगस्त तक के लिए अपनी सभी उड़ानों को कैंसिल कर दिया था। एयरलाइन के पास करीब 4,200 कर्मचारी हैं।

बार्गर किंग ने भी बंद किया टमाटर का

इस्तेमाल, कंपनी ने बताई यह वजह

नई दिल्ली : टमाटर की आसमान कूटी कीमत ने मैकोन्कल्डम

और सब्जे जैसे खाद्यों को अपने अपने बांध, पिज्जा आदि से टमाटर

हटाने को मजबूर कर दिया है। राशी अब इस कूटी में एक और जना

माना नाम बनार किंग नामिल हो गया है। पास्ट फूड ब्रूखला वाले

बांध किंग ने अपने खाने के आइटम में टमाटर का उपयोग करना बंद

कर दिया है। देश में बांध किंग के पांच ट्रिलियन

प्रतिवर्ष रुपये हैं। इससे जांचना की अनुमति दी थी। इससे पहले कंपनी ने 16 अगस्त तक के लिए अपनी सभी उड़ानों को कैंसिल कर दिया था। एयरलाइन के पास करीब 4,200 कर्मचारी हैं।

बार्गर किंग ने भी बंद किया टमाटर का

इस्तेमाल, कंपनी ने बताई यह वजह

नई दिल्ली : टमाटर की आसमान कूटी कीमत ने मैकोन्कल्डम

और सब्जे जैसे खाद्यों को अपने अपने बांध, पिज्जा आदि से टमाटर

हटाने को मजबूर कर दिया है। राशी अब इस कूटी में एक और जना

माना नाम बनार किंग नामिल हो गया है। पास्ट फूड ब्रूखला वाले

बांध किंग ने अपने खाने के आइटम में टमाटर का उपयोग करना बंद

कर दिया है। देश में बांध किंग के पांच ट्रिलियन

प्रतिवर्ष रुपये हैं। इससे जांचना की अनुमति दी थी। इससे पहले कंपनी ने 16 अगस्त तक के लिए अपनी सभी उड़ानों को कैंसिल कर दिया था। एयरलाइन के पास करीब 4,200 कर्मचारी हैं।

बार्गर किंग ने भी बंद किया टमाटर का

इस्तेमाल, कंपनी ने बताई यह वजह

नई दिल्ली : टमाटर की आसमान कूटी कीमत ने मैकोन्कल्डम

और सब्जे जैसे खाद्यों को अपने अपने बांध, पिज्जा आदि से टमाटर

हटाने को मजबूर कर दिया है। राशी अब इस कूटी में एक और जना

माना नाम बनार किंग नामिल हो गया है। पास्ट फूड ब्रूखला वाले

बांध किंग ने अपने खाने के आइटम में टमाटर का उपयोग करना बंद

कर दिया है। देश में बांध किंग के पांच ट्रिलियन

प्रतिवर्ष रुपये हैं। इससे जांचना की अनुमति दी थी। इससे पहले कंपनी ने 16 अगस्त तक के लिए अपनी सभी उड़ानों को कैंसिल कर दिया था। एयरलाइन के पास करीब 4,200 कर्मचारी हैं।

बार्गर किंग ने भी बंद किया टमाटर का

इस्तेमाल, कंपनी ने बताई यह वजह

नई दिल्ली : टमाटर की आसमान कूटी कीमत ने मैकोन्कल्डम

और सब्जे जैसे खाद्यों को अपने अपने बांध, पिज्जा आदि से टमाटर

हटाने को मजबूर कर दिया है। राशी अब इस कूटी में एक और जना

माना नाम बनार किंग नामिल हो गया है। पास्ट फूड ब्रूखला वाले

बांध किंग ने अपने खाने के आइटम में टमाटर का उपयोग करना बंद

कर दिया है। देश में बांध किंग के पांच ट्रिलियन

प्रतिवर्ष रुपये हैं। इससे जांचना की अनुमति दी थी। इससे पहले कंपनी ने 16 अगस्त तक के लिए अपनी सभी उड़ानों को कैंसिल कर दिया था। एयरलाइन के पास करीब 4,200 कर्मचारी हैं।

बार्गर किंग ने भी बंद किया टमाटर का

इस्तेमाल, कंपनी ने बताई यह वजह

नई दिल्ली : टमाटर की आसमान कूटी कीमत ने मैकोन्कल्डम

और सब्जे जैसे खाद्यों को अपने अपने बांध, पिज्जा आदि से टमाटर

हटाने को मजबूर कर दिया है। राशी अब इस कूटी में एक और जना

माना नाम बनार किंग नामिल हो गया है। पास्ट फूड ब्रूखला वाले

फास्ट | न्यूज़

10 वर्ष पुराने आधार कार्डों को अपडेट करना जरूरी

टीम एक्शन इंडिया/नैनीति
जनपद में संवालित सभी 96 आधार पंजीकरण केंद्रों ग्राम पंचायतों और गाड़ी में संवालित 720 जन सेवा केंद्रों के माध्यम से शिविर लगाकर 10 वर्ष पुराने आधार कार्डों को अपडेट किया जायेगा। इस संबंध में अपर निलाधिकारी शिवदरण द्विवेदी ने निर्देश जारी कर दिए हैं।

श्री द्विवेदी ने जनपद के आम जनमानस से अपील की है कि जिन लोगों के आधार कार्ड 10 वर्ष हो गए हैं, वे अपना आधार कार्ड को अपने निकटस्थ सेवा केंद्र में जाकर अथवा पास के आधार पंजीकरण केंद्र में अपडेट करवा सकते हैं। ई-डिस्ट्रिक्ट केंजर विवास शर्मी ने बताया कि इन केंद्रों के साथ जन धन से भी माझ आधार कार्ड यूआईएआई डॉट जीआरी डॉट ईपोर्टल पर जाकर अपना आधार कार्ड अपडेट कर सकते हैं। इनके लिए 25 रुपये ऑनलाइन फीस देनी होगी, जिकि आधार पंजीकरण केंद्र में अथवा जन सेवा केंद्रों में आधार को अपडेट करवाने को 10 रुपये से भी कम खर्च सहायता में हुई है। इसमें मुख्यमंत्री के साथ उनके मंत्रिमंडल के सदस्य शासन के आला अधिकारी समेत राज्य के उद्योगपति भी समाइल हुए।

उत्तराखण्ड में निवेश के लिए फ्रेंडली माहील तैयार करने के रूप रेखा पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने बैठक के बाद पत्रकारों से

उत्तराखण्ड : इन्वेस्टर्स समिट की तैयारियां तेज

उत्तराखण्ड में निवेश के लिए फ्रेंडली माहील तैयार करने के स्पष्ट देखा पर चर्चा हुई: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी



बताया कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट आगामी दिसंबर माह में प्रस्तावित है। इस बार राज्य सरकार का लक्ष्य वर्ष 2018 में हुई इन्वेस्टर्स समिट से देखना सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इस समिट में ढाई दोनों के एमओयू के रूप रेखा पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने बैठक के बाद पत्रकारों से

निवेश का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही उत्तराखण्ड में बाहरी राज्यों और देश-विदेश से निवेश लाने के लिए रोड शो सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इस समिट में निवेश पाने का है। इस समिट के सुधार उन्नयन ने कहा कि गज्य में निवेश को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न शहरों में इन्वेस्टर्स समिट के तहत रोड शो का आयोजन किया जाएगा। सरकार बेहतर

टीम एक्शन इंडिया/गोपेश्वर

उत्तराखण्ड बद्रीनाथ हाइवे को गुरुवार चौथे दिन सुचारू कर दिया गया है। पीलकोटी से आगे भेर पानी में वैश आट हाइवे को सभी प्रकार के बाहनों के लिए सुचारू कर दिया गया है। हालांकि गांव तक पहुंचने वाले 48 लिंक मोटर मार्ग अभी भी अवृद्ध चल रहे हैं। आपदा प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को राहत समझी भी बाटी जा रही है। पीलकोटी में आवाग्राह सरियाँ के भोजन के लिए प्रशासन की ओर से निश्चल कैंटीन की व्यवस्था भी की गई है। जिला आपादा परिवान केंद्र और जिला सुचाना कार्यालय के अन्तराह बद्रीनाथ हाइवे जो पिछले बार दिनों से पीपलकोटी से आगे भेर पानी में सो मीटर के लगभग वैश आट लिए गए हैं, जिसका विवरण किया जा रहा है। आपदा प्रभावित गांव की बिरही, कौंज-योथनी, गरुड़-गांगा, पाखी, बिरही, धरानी पैनगढ़ एवं पीपलकोटी बंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में राशन किट वितरण

चौथे दिन बद्रीनाथ हाइवे हुआ सुचारू

आपदा प्रभावित

DI> गांव तक पहुंचने वाले 48 लिंक मोटर मार्ग अभी भी अवृद्ध चल रहे हैं। लोगों को राहत समझी भी बाटी जा रही है।

क्षेत्रों की 48 लिंक मोटर मार्ग को खालन के लिए भी संभित विवाहों की ओर से कार्य किया जा रहा है। आपदा प्रभावित क्षेत्र की योग्यता भी की गई है। जिला आपादा परिवान केंद्र और जिला सुचाना कार्यालय के अन्तराह प्रशासन हाइवे जो पिछले बार दिनों से पीपलकोटी से आगे भेर पानी में सो मीटर के लगभग वैश आट लिए गए हैं, जिसका विवरण किया जा रहा है। आपदा प्रभावित गांव की बिरही, कौंज-योथनी, गरुड़-गांगा, पाखी, बिरही, धरानी पैनगढ़ एवं पीपलकोटी बंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में राशन किट वितरण

सभी अस्पताल मरीजों की देखभाल करें: ब्रजेश



निर्देश

DI> मरीजों को लेकर लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सभी अस्पतालों में दवाएं उपलब्ध हैं।

चिकित्सक बाहर की दवाएं कर्तव्य न लिखें। यह निर्देश गुरुवार को उप मुख्यमंत्री बजेश पाठक ने एनेमिक भवन में सभी चिकित्सा संस्थानों के प्रमुख को आहूत बैठक में दिए। उत्तराखण्ड में निर्देश किया जाना चाहिए कि अस्पतालों की समस्याओं और कमियों को निदेशक-संस्थानों द्वारा उपलब्ध किया जाए। सभी अस्पतालों में दवाएं उपलब्ध हैं। चिकित्सक बाहर की दवाएं कर्तव्य न लिखें। यह निर्देश गुरुवार को उप मुख्यमंत्री बजेश पाठक ने एनेमिक भवन में सभी चिकित्सा संस्थानों के आहूत बैठक में दिए। उत्तराखण्ड में निर्देश किया जाना चाहिए कि अस्पतालों की समस्याओं और कमियों को निदेशक-संस्थानों द्वारा उपलब्ध किया जाए। सभी अस्पतालों में दवाएं उपलब्ध हैं। चिकित्सक बाहर की दवाएं कर्तव्य न लिखें। यह निर्देश गुरुवार को उप मुख्यमंत्री बजेश पाठक ने एनेमिक भवन में सभी चिकित्सा संस्थानों के प्रमुख को आहूत बैठक में दिए। उत्तराखण्ड में निर्देश किया जाना चाहिए कि अस्पतालों की समस्याओं और कमियों को निदेशक-संस्थानों द्वारा उपलब्ध किया जाए। सभी अस्पतालों में दवाएं उपलब्ध हैं। चिकित्सक बाहर की दवाएं कर्तव्य न लिखें। यह निर्देश गुरुवार को उप मुख्यमंत्री बजेश पाठक ने एनेमिक भवन में सभी चिकित्सा संस्थानों के प्रमुख को आहूत बैठक में दिए। उत्तराखण्ड में निर्देश किया जाना चाहिए कि अस्पतालों की समस्याओं और कमियों को निदेशक-संस्थानों द्वारा उपलब्ध किया जाए। सभी अस्पतालों में दवाएं उपलब्ध हैं। चिकित्सक बाहर की दवाएं कर्तव्य न लिखें। यह निर्देश गुरुवार को उप मुख्यमंत्री बजेश पाठक ने एनेमिक भवन में सभी चिकित्सा संस्थानों के प्रमुख को आहूत बैठक में दिए। उत्तराखण्ड में निर्देश किया जाना चाहिए कि अस्पतालों की समस्याओं और कमियों को निदेशक-संस्थानों द्वारा उपलब्ध किया जाए। सभी अस्पतालों में दवाएं उपलब्ध हैं। चिकित्सक बाहर की दवाएं कर्तव्य न लिखें। यह निर्देश गुरुवार को उप मुख्यमंत्री बजेश पाठक ने एनेमिक भवन में सभी चिकित्सा संस्थानों के प्रमुख को आहूत बैठक में दिए। उत्तराखण्ड में निर्देश किया जाना चाहिए कि अस्पतालों की समस्याओं और कमियों को निदेशक-संस्थानों द्वारा उपलब्ध किया जाए। सभी अस्पतालों में दवाएं उपलब्ध हैं। चिकित्सक बाहर की दवाएं कर्तव्य न लिखें। यह निर्देश गुरुवार को उप मुख्यमंत्री बजेश पाठक ने एनेमिक भवन में सभी चिकित्सा संस्थानों के प्रमुख को आहूत बैठक में दिए। उत्तराखण्ड में निर्देश किया जाना चाहिए कि अस्पतालों की समस्याओं और कमियों को निदेशक-संस्थानों द्वारा उपलब्ध किया जाए। सभी अस्पतालों में दवाएं उपलब्ध हैं। चिकित्सक बाहर की दवाएं कर्तव्य न लिखें। यह निर्देश गुरुवार को उप मुख्यमंत्री बजेश पाठक ने एनेमिक भवन में सभी चिकित्सा संस्थानों के प्रमुख को आहूत बैठक में दिए। उत्तराखण्ड में निर्देश किया जाना चाहिए कि अस्पतालों की समस्याओं और कमियों को निदेशक-संस्थानों द्वारा उपलब्ध किया जाए। सभी अस्पतालों में दवाएं उपलब्ध हैं। चिकित्सक बाहर की दवाएं कर्तव्य न लिखें। यह निर्देश गुरुवार को उप मुख्यमंत्री बजेश पाठक ने एनेमिक भवन में सभी चिकित्सा संस्थानों के प्रमुख को आहूत बैठक में दिए। उत्तराखण्ड में निर्देश किया जाना चाहिए कि अस्पतालों की समस्याओं और कमियों को निदेशक-संस्थानों द्वारा उपलब्ध किया जाए। सभी अस्पतालों में दवाएं उपलब्ध हैं। चिकित्सक बाहर की दवाएं कर्तव्य न लिखें। यह निर्देश गुरुवार को उप मुख्यमंत्री बजेश पाठक ने एनेमिक भवन में सभी चिकित्सा संस्थानों के प्रमुख को आहूत बैठक में दिए। उत्तराखण्ड में निर्देश किया जाना चाहिए कि अस्पतालों की समस्याओं और कमियों को निदेशक-संस्थानों द्वारा उपलब्ध किया जाए। सभी अस्पतालों में दवाएं उपलब्ध हैं। चिकित्सक बाहर की दवाएं कर्तव्य न लिखें। यह निर्देश गुरुवार को उप मुख्यमंत्री बजेश पाठक ने एनेमिक भवन में सभी चिकित्सा संस्थानों के प्रमुख को आहूत बैठक में दिए। उत्तराखण्ड में निर्देश किया जाना चाहिए कि अस्पतालों की समस्याओं और कमियों को निदेशक-संस्थानों द्वारा उपलब्ध किया जाए। सभी अस्पतालों में दवाएं उपलब्ध हैं। चिकित्सक बाहर की दवाएं कर्तव्य न लिखें। यह निर्देश गुरुवार को उप मुख्यमंत्री बजेश पाठक ने एनेमिक भवन में सभी चिकित्सा संस्थानों के प्रमुख को आहूत बैठक में दिए। उत्तराखण्ड में निर्देश किया जाना चाहिए कि अस्पतालों की समस्याओं और कमियों को निदेशक-संस्थानों द्वारा उपलब्ध किया जाए। सभी अस्पतालों में दवाएं उपलब्ध हैं। चिकित्सक बाहर की दवाएं कर्तव्य न लिखें। यह निर्देश गुरुवार को उप मुख्यमंत्री बजेश पाठक ने एनेमिक भवन म